>

Title: Need to give land to farmers in Yamuna river bed in Delhi for farming.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): सभापति महोदय, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण विÂाय के बारे में बोलने का मौका दिया। यह दिल्ली के किसानों से जुड़ा हुआ है। दिल्ली के किसान हजारों की तादाद में हैं। ये लोग कम से कम 100-200 साल से यमुना की खादर में खेती करते हैं। सरकार उन्हें लीज़ पर जमीन देती है। ये लोग वजीराबाद से ओखला तक दोनों साइड काम करते हैं। अब इन्हें तंग किया जा रहा है। सरकार की तरफ से नोटिस दिए गया है कि जमीन बुआने के लिए नहीं दी जाएगी। यमुना खादर में बहुत सी जमीन पर मेट्रो के आफिस बनाए गए हैं और अन्य कई आफिस बनाए गए हैं। बिल्डिंगें बना दी गई। यह तो जायज है लेकिन एक गरीब आदमी काम कर रहा है, उसके पास रोटी नहीं है, रोजगार नहीं है। उसका रोजगार सब्जी है जिसे उगाकर वह मार्किट में बेचता है। आप क्या चाहते हैं कि क्या उसे बेघर कर दिया जाए? फिर आप उसे सोशल सिक्योरिटी में लेकर आए कि 500 रुपए महीना ले लो। दिल्ली पीजेंट कोआपरेटिव मल्टी परपज़ सोसायटी माननीय जवाहर लाल नेहरू जी के समय में शुरु हुई थी और पहले मुख्य मंत्री ने इसे शुरु कराया था। मेरी आपके माध्यम से सरकार से पुरजोर मांग है कि इनकी तरफ ध्यान दिया जाए। इन्हें तंग न किया जाए और इनको संरक्षण दिया जाए।

श्री पन्ना लाल पुनिया : सभापति महोदय, मैं अपने आपको इस मामले के साथ संबद्ध करता हूं।